भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 201

उत्तर देने की तारीख: 14.12.2015

23 अग्रहायण, 1937 (शक)

शिक्षा संस्थाओं का पाठ्यक्रम

*201. श्री दुष्यंत चौटालाः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्व में भारतीय विश्वविद्यालयों की रैंकिंग बहुत ही निचले स्तर पर है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या अधिकांश भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं का पाठ्यक्रम पुराना हो चुका है;

(ग) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के विद्यमान पाठ्यक्रम का परिवर्धन करने तथा शिक्षा के स्तर में सुधार लाने एवं इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के स्तर तक लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

****

'शिक्षा संस्थाओं का पाठ्यक्रम' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री दुष्यंत चौटाला द्वारा 14.12.2015 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 201 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ) : भारत में अनेक शीर्ष शैक्षिक संस्थाओं ने शिक्षा और शोध के क्षेत्र में वैश्विक मानदंड स्थापित किए हैं। वे एक अत्यधिक उच्च गुणवत्तायुक्त मानव संसाधन तैयार करते रहे हैं जो न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के निर्माण में सहायक थे अपितु, अनेक विदेशी अर्थव्यवस्था में भी सहायक थे। यद्यपि क्यूएस और टीएचई जैसे वैश्विक रैंकिंग सर्वेक्षणों में भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं का प्रवेश एक सकारात्मक और आशावादी रूझान दर्शाता है (ब्यौरे संलग्नक-I में) तथापि भारतीय संस्थाएं वैश्विक रैंकिंग में अपना यथोचित स्थान प्राप्त नहीं कर रही है।

इसका प्रमुख कारण यह है कि रैंकिंग के लिए इन एजेन्सियों द्वारा प्रयोग किए गए मानदंड अधिकाशंत: व्यक्तियों के चुनिन्दा समूह की अवधारणा पर निर्भर होते हैं। हालांकि, भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं को अपनी क्षमताओं पर विचार करते हुए यदि अपनी वैश्विक रैंकिंग में सुधार लाना है तो उन्हें अपने अवधारणा सूचकांक पर कार्य करने की आवश्यकता होगी।

सरकार द्वारा शिक्षण/अधिगम प्रक्रिया में सुधार करने के लिए अनेक पहलें आरंभ की गई हैं। इनमें ग्लोबल इंशिएटिव फॉर एकेडिमिक नेटवर्क्स (ज्ञान), जिसके तहत विदेशी विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद् भारत में पढ़ाने आते हैं, सभी विषयों पर 'स्वयं' पोर्टल के जरिए दिए जाने वाले व्याख्यान के लिए ई-कंटेंट तैयार करना, राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण, विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस), अवर स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या में सुधार, राष्ट्रीय संस्थागत कार्य ढांचा (एनआईआरएफ) के अंतर्गत विषयपरक मानदंड पर आधारित संस्थागत रैंकिंग प्रणाली आदि शामिल हैं।

*****

'शिक्षा संस्थाओं का पाठ्यक्रम' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री दुष्यंत चौटाला द्वारा 14.12.2015 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 201 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक-I

संस्थान	क्यूएस रैंकिंग		
	2013	**2014**	**2015**
आईआईटी दिल्ली	222	235	179
आईआईटी बंबई	233	222	202
आईआईटी कानपुर	295	300	271
आईआईटी खड़गपुर	346	324	286
आईआईटी मद्रास	313	322	254
आईआईटी रूड़की	401-410	461-470	391
आईआईटी गुवाहाटी	601-650	551-600	451-460
आईआईएस बंगलौर		उपलब्ध नहीं	147

संस्थान	टाइम्स उच्च शिक्षा रैंकिंग		
	2013	**2014**	**2015**
आईआईटी बंबई	251-275	उपलब्ध नहीं	351-400
आईआईटी रूड़की	351-400	351-400	351-400
आईआईएस बंगलौर	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	276-300

****